सफरान- भारत राजस्व तीन गुना बढ़ाएगी

2030 तक स्थानीय खरीद पांच गुना करने की योजना

नई दिल्ली, 26 नवबंर. फ्रांस की अग्रणी एयरक्राफ्ट इंजन निर्माता कंपनी सफरान ने भारत को अपने वैश्विक कारोबार का केंद्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए साल 2030 तक भारत से राजस्व तीन गुना बढ़ाने का लक्ष्य तय किया है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हैदराबाद में कंपनी के विशाल एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर, ओवरहॉल) केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर सफरान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओलिवियर एंड्रीस ने यह घोषणा की. उन्होंने कहा कि भारत तेजी से बढ़ते नागरिक और रक्षा उड्डयन मार्केट के कारण कंपनी के लिए सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार के रूप में उभर रहा है. सफरान ने न सिर्फ राजस्व बढ़ाने की योजना बनाई है, बल्कि भारत में अपनी स्थानीय खरीद पांच गुना बढ़ाने, बड़े पैमाने पर निवेश करने और उन्नत इंजन सर्विसिंग क्षमताओं को विकसित करने का भी ऐलान किया है.

इसके तहत कंपनी ने लीप इंजनों के लिए देश का सबसे बड़ा एमआरओ केंद्र तैयार किया है, जिसमें अत्याधुनिक टेस्ट बेंच और सालाना 300 इंजनों की सर्विसिंग क्षमता होगी. आने वाले वर्षों में इस केंद्र की भूमिका भारत को वैश्विक विमानन सप्लाई चेन में एक अहम शक्ति बना सकती है. फ्रांस की विमान इंजन निर्माता दिग्गज कंपनी सफरान ने भारत में अपने संचालन को नई ऊँचाइयों पर ले जाने की घोषणा की है.

कंपनी ने स्पष्ट किया है कि वर्ष 2030 तक भारत से उसका राजस्व तीन गुना से अधिक, यानी तीन अरब यूरो, तक पहुंच जाएगा, जिसमें से आधा हिस्सा भारत स्थित उसके केंद्रों से आएगा. यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हैदराबाद में सफरान के विशाल एमआरओ केंद्र के उद्घाटन समारोह के दौरान की गई.

> सफरान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओलिवियर एंड्रीस ने कहा कि भारत की तेज़ी से बढ़ती विमानन बाज़ार क्षमता और रक्षा क्षेत्र में बढ़ते निवेश को देखते हुए कंपनी यहां अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने जा रही है. उन्होंने बताया कि कंपनी की स्थानीय खरीद को भी पांच गुना बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे भारत की इंडस्ट्री को बड़ा आर्थिक लाभ होगा. यह कदम 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. कंपनी द्वारा स्थापित नया लीप इंजन एमआरओ केंद्र एशिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा केंद्र है, जिसमें 20 करोड़ यूरो का निवेश किया गया है. यह केंद्र 2026 से पूर्ण रूप से संचालित होगा और सालाना 300 इंजनों की मरम्मत करने में सक्षम होगा.

आईआईटी रोपड़ ने निखिल स्वामी को जनसंपर्क अधिकारी नियुक्त किया

नई दिल्ली, 26 नवंबर. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ ने पुरस्कार विजेता संचार पेशेवर निखिल स्वामी को अपना जनसंपर्क अधिकारी नियुक्त किया है. यह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर संस्थान की मीडिया पहुंच और ब्रांड दृश्यता को मजबूत करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है. स्वामी, जिन्होंने अक्टूबर 2025 में कार्यभार संभाला, सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों के लिए एकीकृत संचार रणनीतियां विकसित करने में छह वर्षों से अधिक का अनुभव रखते हैं.

भारत का निर्यात अमेरिका की बाधाओं के बावजूद मजबूत

निर्यात पर अमेरिकी दबाव बेअसर : गोयल

अमेरिका के शुल्क नहीं रोक पाए भारत का निर्यात

नयी दिल्ली, 26 नवंबर. दुनिया के सबसे बड़े बाजार अमेरिका में भारत के माल पर 50 प्रतिशत के ऊंचे शुल्क के बावजूद वस्तु एवं सेवाओं के निर्यात में कुल मिलाकर वृद्धि जारी है और सरकार निर्यात के क्षेत्र में बाजारों के विविधीकरण की रणनीति पर काम कर रही है.

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को यहां व्यापार बोर्ड की बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में कहा , अमेरिकी शुल्क में बढ़ोत्तरी के बाद भी भारत का निर्यात क्षेत्र मजबूती से खड़ा है. हाल की रिपोर्टों से दिख रहा है कि वस्तु निर्यात में वृद्धि बनी हुई है, और सेवाओं की निर्यात वृद्धि वास्तव में जोरदार है. उन्होंने कहा कि अमेरिका में शुल्क बढ़ने से आशंका थी कि भारत के मछली निर्यात को धक्का लगेगा पर %भला हो गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) का पिछले नौ वर्ष से कठोरता से अनुपालन कराये जाने का . इसके चलते यूरोपीय संघ ने भारत के 102 समुद्री उत्पाद प्रतिष्ठानों के साथ व्यापार को मान्यता प्रदान की है. इसके चलते यूरोपीय बाजार में भारत से मछली के निर्यात में उछाल आया है.

गोयल ने बताया कि इस वर्ष अप्रैल से अक्टूबर की अवधि में भारत से समुद्री उत्पादों (मछली) का निर्यात पिछले वर्ष इसी अवधि के 4.21 अरब डालर की तुलना में बढ़ 4.82 अरब डालर के बराबर रहा है. उन्होंने कहा कि इससे रोजगार तथा व्यवसाय के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा. श्री गोयल ने कहा कि भारत के निर्यात क्षेत्र ने विभिन्न देशों और क्षेत्रीय बाजार समूहों के साथ मुक्त व्यापार वार्ताओं को लेकर उत्साह दिखाया है जो उसके भीतर के विश्वास और जुझारूपन को दर्शाता है.

समझौते के लिए बातचीत शुरू किये जाने पर बनी सहमति

वाणिज्य मंत्री ने भारत और कनाडा के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते के लिए बातचीत शुरू किये जाने पर बनी सहमति के बारे में कहा कि दोनों पक्ष इसे लेकर बहुत उत्साहित है और उन्हें इस बारे में आज सुबह ही वहां के अपने समकक्ष का एक संदेश मिला है . उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच दक्षिण अफ्रीका में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई मुलाकात में दोनों पक्षों ने इस तरह के समझौते के लिए बातचीत शुरू करने पर सहमति जतायी है .

जलवायु वार्ताओं से नतीजे मिले अब ठोस कदम जरूरी

जलवायु समाधान तय, अब अमल पर दुनिया को देना जोर

पर्यावरण वार्ताओं ने दिशा दी, अब कार्रवाई मुख्य चुनौती

नयी दिल्ली, 26 नवंबर. जलवायु परिवर्तन पर हाल में आयोजित कॉप30 के दक्षिण एशिया के लिए विशेष दूत अरुणाभा घोष ने कहा है कि इस वैश्विक संकट से निपटने के लिये दुनिया में काफी वार्ताएं हुई हैं जिनके परिणाम सामने आये हैं और अब पहल करने की जरूरत है.

सीईईडब्ल्यू के मुख्य कार्यकारी अधिकारी घोष ने कहा कि ऐसे समय में जब यह डर था कि चर्चा मौजूदा वास्तविकता और पहले से चल रही कार्रवाई से बेपटरी हो सकती है, ब्राजील में कॉप30 में चर्चा इन दोनों बातों पर लौट आयी. एक ऐसे वर्ष में, जहां जलवायु बहुपक्षवाद को चुनौती दी गई है, वहां पर एक सर्वोत्तम समझौते की तलाश में कोई भी समझौता न करने की जगह, एक अच्छा समझौता करना कहीं बेहतर रहा. उन्होंने कहा कि भारत ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए धन की उपलब्धता कम से कम तीन गुना करने की अपील की है, भले ही इसमें 2035 तक का समय क्यों न लगे. कॉप-30 में जलवायु वित्त पर दो साल का विस्तृत कार्यक्रम स्थापित करने का निर्णय लिया गया.

चावल, गेहूं में टिकाव चीनी-दालों में तेजी

नयी दिल्ली, 26 नवंबर दिल्ली के थोक जिंस बाज़ारों में बुधवार को अनाज, दालों और तेलों के दामों में मिली-जुली चाल देखने को मिली. जहाँ चावल और गेहूं के बाजार में स्थिरता बनी रही, वहीं चीनी और अधिकांश दालों में मजबूती का माहौल रहा. खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख बना रहा और विभिन्न तेलों के भावों में अलग-अलग दिशा में बदलाव दर्ज किया गया. चावल की औसत गुणवत्ता वाली किस्म का भाव 3,854.72 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग अपरिवर्तित रहा. इसी प्रकार गेहूं का बाजार भी शांत दिखा और इसका औसत भाव 2,857.42 रुपये प्रति क्विंटल पर ही टिका रहा. आटे की कीमतों में भी कोई खास बदलाव नहीं हुआ, जिससे अनाज खंड में समग्र रूप से स्थिरता बनी रही.

भारतीय शेयर बाजारों में जबरदस्त तेजी

1022 अंक से उछला सेंसेक्स

320 अंक पर चढ़ा निफ्टी

मुंबई, 26 नवंबर. विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को जबरदस्त तेजी देखी गयी और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1022.50 अंक (1.21) प्रतिशत उछलकर 85,609.51 अंक पर बंद हुआ.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 320.50 अंक यानी 1.24 प्रतिशत चढ़कर 26,205.30 अंक पर पहुंच गया. लगातार तीन कारोबारी दिवस की गिरावट के बाद बाजार में रौनक लौटी है. विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच दोनों प्रमुख सूचकांक आज गिरावट में खुले, लेकिन खुलते ही हरे निशान में चले गये. बीच कारोबार में सेंसेक्स 85,644.19 अंक और निफ्टी-50 सूचकांक 26,215.15 अंक तक चढ़ने में कामयाब रहा. वैश्विक बाजारों में तेजी के अलावा घरेलू स्तर पर पिछले तीन दिन की गिरावट के बाद कम भाव पर खरीद का असर भी दिखा. छोटी और मझौली कंपनियों के सूचकांकों में भी एक प्रतिशत से ज्यादा की तेजी रही. एनएसई के सभी सूचकांक हरे निशान में रहे. धातु, आईटी, बैंकिंग, फार्मा, ऑटो और स्वास्थ्य सेक्टरों के सूचकांक एक प्रतिशत से ज्यादा चढ़े. सेंसेक्स की बढ़त में एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और एलएंडटी का योगदान सबसे अधिक रहा.

सीसीआई ने झज्जर पावर डील को दी मंजूरी

प्रतिस्पर्धा आयोग ने सौदे पर सहमति जताई

नयी दिल्ली, 26 नवंबर.भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीआईआई) ने जिंदल झज्जर पावर लिमिटेड द्वारा झज्जर पावर लिमिटेड के शत-प्रतिशत अधिग्रहण को मंजूरी प्रदान कर दी है. जिंदल समूह द्वारा अधिग्रहण के बाद नयी कंपनी का नाम जिंदल झज्जर पावर लिमिटेड होगा जो जिंदल पावर लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई होगी.

इसके अलावा, आयोग ने आईसीआईसीआई वेंचर फंड्स मैनेजमेंट कंपनी के कुछ कारोबार के आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी द्वारा अधिग्रहण के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है. आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी म्यूचुअल फंड के प्रबंधन का काम करती है और आईसीआईसीआई बैंक तथा प्रुडेंशियल कॉर्पोरेशन होल्डिंग्स का संयुक्त उद्यम है.

बजाज का नया रिकी ई-रिक्शा लॉन्च

नयी दिल्ली, 26 नवंबर. अग्रणी तिपहिया वाहन निर्माता बजाज ने बुधवार को अपना नया उत्पाद रिकी पेश किया जो एक बार पूरी तरह चार्ज होने पर 149 किलोमीटर चल सकती है. रिकी का ई-रिक्शा और ई-कार्ट दोनों पेश किया गया है. ई- रिक्शा की एक्स शोरूम कीमत 1,90,890 रुपये और ई- कार्ट की 2,00,876 रुपये होगी. इसकी बैट्री पौने चार घंटे में पूरी तरह चार्ज होती है. इसमें हाइड्रॉलिक ब्रेक और एलपीएफ बैट्री है. दोनों उत्पादों पर तीन साल/60,000 किलोमीटर की वारंटी दी गयी है.

नोकिया ने पूरा किया रेलटेल नेटवर्क अपग्रेड

नयी दिल्ली, 26 नवंबर. दूरसंचार अवसंरचना क्षेत्र की कंपनी नोकिया ने रेलटेल के नेटवर्क को अपग्रेड करने का काम सफलतापूर्वक पूर्ण करने की मंगलवार को घोषणा की. रेलवे के नेटवर्क के लिए संचार सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित रेलटेल कॉर्पोरेशन अब रिटेल उपभोक्ताओं को भी ब्रॉडबैंड सेवा प्रदान करती है.

यह भारतीय रेल के अधीन है. नोकिया ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि उसने अपने अधिकृत साझेदारों के साथ मिलकर रेलटेल के डेंस वेबलेंथ-डिवीजन मल्टि प्लेक्सिंग प्रौद्योगिकी पर आधारित लंबी दूरी के राष्ट्रीय नेटवर्क को अपग्रेड करने का काम पूरा कर लिया है. नोकिया ने पूरे देश में रेलटेल के कैरियर-ग्रेड एनएटी और मेट्रो ऑप्टिकल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क की तैनाती की है. ये उच्च गति और बेहतर कनेक्टिविटी की बढ़ती मांग को पूरा करती हैं, जिससे परिचालन दक्षता बढ़ेगी और लागत कम होती है. अपग्रेड का काम रेलटेल के मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर और पहले से अप्रयुक्त चैनल स्पेक्ट्रम का पुन-उपयोग करके किया गया है. शहरों के बीच उच्च क्षमता वाली लैम्ब्डा ट्रांसमिशन और एक्सप्रेस ट्रैफ्कि लेन भी शुरू की गयी है, जिससे संपूर्ण नेटवर्क प्रदर्शन में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है. नोकिया का 7750 सर्विस राउटर जो ब्रॉडबैंड नेटवर्क गेटवे और कैरियर-ग्रेड एनएटी की कार्यक्षमता से लैस है.

जुनिपर ग्रीन एनर्जी ला सकती है आइपीओ

नई दिल्ली, 26 नवंबर. तेजी से बढ़ रहे रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में निवेशकों को बड़ा मौका मिलने वाला है, क्योंकि देश की अग्रणी ग्रीन पावर कंपनी जुनिपर ग्रीन एनर्जी लिमिटेड अगले महीने अपना आइपीओ लाने की तैयारी में है. कंपनी ने इसके लिए बाजार नियामक के पास डीआरएचपी दाखिल कर दिया है, जिसके बाद इस इश्यू को लेकर बाजार में काफी उत्सुकता है. दस्तावेज़ों के मुताबिक यह आइपीओ पूरी तरह 3000 करोड़ रुपये के फ्रेश इश्यू के रूप में होगा, जिसमें ऑफर फॉर सेल शामिल नहीं है.

समाचार विशेष

बिहार में 24 पर हम प्लेयर, उप्र में 48 पर दिखाएंगे असर

लखनऊ. उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति तैयार की जानी शुरू कर दी गई है. अखिलेश यादव जहां पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक यानी पीडीए पॉलिटिक्स के जरिए उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी को पछाड़ने की रणनीति पर काम करते दिख रहे हैं. वहीं, मायावती और असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेता उनकी रणनीति को ध्वस्त करने में जुटे दिख रहे हैं.

मायावती जहां एक बार फिर अपने परंपरागत दलित के वोटों को अपनी तरफ आकर्षित करने की रणनीति पर लगातार काम कर रही हैं. वहीं, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बिहार चुनाव में मिली सफलता के बाद उत्तर प्रदेश में बड़े स्तर पर काम करने के संकेत दे दिए हैं.

एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि बिहार चुनाव में हमने महागठबंधन से सीटों की मांग की. उन्होंने हमें कमजोर करके आंका. इसका परिणाम उन्हें भुगतना पड़ा है. अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वे हमें उत्तर प्रदेश में कमजोर समझते हैं. इस बार चुनाव में उन्हें इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा. उन्होंने साफ कहा है कि हम इस बार असर दिखाने नहीं, जीत दर्ज करने के लिए चुनावी मैदान में उतरेंगे. उनके दावे ने प्रदेश में राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है.

दोगुना ताकत लगाने की बात- असदुद्दीन ओवैसी ने यूपी चुनाव 2027 की रणनीति साफ करते हुए कहा है कि हम विधानसभा चुनाव में दोगुनी ताकत के साथ उतरेंगे. दरअसल, बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने 5 सीटों पर जीत दर्ज की है.

अखिलेश पर साधा निशाना

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी एआईएमआईएम प्रमुख ने सीधा निशाना साधा . असदुद्दीन ओवैसी ने अखिलेश यादव का नाम लेते हुए सवाल किया कि लोकसभा चुनाव 2014 का पहला इलेक्शन मेरी वजह से तो मोदी नहीं जीते . 2017 का विधानसभा चुनाव हो या 2019 का पार्लियामेंट, वे हार गए . 2022 का विधानसभा चुनाव हारे . 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें जिस तरह की सफलता मिलनी चाहिए थी, वह नहीं मिली . ओवैसी ने कहा कि वह किस प्रकार की खामख्याली में डूबे हुए हैं . उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के लेकर असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि 2027 में हम लोग जीतेंगे .

नीतीश तोड़ पाएंगे चामलिंग का रिकॉर्ड

इतिहास रचने के लिए कितने दिन और रहना होगा सीएम

पटना. नीतीश कुमार एक बार फिर बिहार के मुख्यमंत्री बन गए हैं. वे 2005 से सत्ता में हैं और बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले मुख्यमंत्री के तौर पर अपनी पहचान बना चुके हैं. नीतीश ने गुरुवार को 10वीं बार मुख्यमंत्री का पद संभाल लिया है.

जिसके बाद सवाल उठता है कि क्या नीतीश कुमार देश में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड बना पाएंगे? आपको बता दें कि नीतीश कुमार पहली बार साल 2000 में समता पार्टी से मुख्यमंत्री बने थे, लेकिन सदन में बहुमत साबित न कर पाने के कारण उन्हें सिर्फसात दिन बाद ही इस्तीफा देना पड़ा था. इसके बाद नीतीश 2005 में मुख्यमंत्री बने, उनके बाद जीतन राम मांझी कुछ समय के लिए मुख्यमंत्री बने.

18 साल से ज्यादा रह चुके हैं नीतीश- नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री के तौर पर 18 साल से ज्यादा काम किया है. बिहार के इतिहास में किसी भी मुख्यमंत्री का इतना लंबा कार्यकाल नहीं रहा है. हालांकि, दूसरे राज्यों की तुलना में नीतीश इतिहास बनाने से बहुत दूर हैं. हालांकि अगर नीतीश कुमार अगले छह साल तक मुख्यमंत्री बने रहते हैं तो वे देश में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड भी बना लेंगे.

देश में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड पवन कुमार चामलिंग के नाम है. वे 1994 से 2019 तक सिक्किम के मुख्यमंत्री रहे. वे पहली बार 12 दिसंबर 1994 को मुख्यमंत्री बने थे और 26 मई 2019 तक मुख्यमंत्री रहे, यानी लगभग 24 साल 165 दिन. चामलिंग ने पांच बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली.

> **बिहार में पहले ही गढ़ चुके हैं कीर्तिमान**
>
> नीतीश पहले ही बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले मुख्यमंत्री बन चुके हैं, लेकिन देश में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए उन्हें छह साल और पद पर बने रहना होगा. इसका मतलब है कि इस कार्यकाल के बाद उन्हें एक बार फिर मुख्यमंत्री बनना होगा. नीतीश कुमार 75 साल के हैं. सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए उन्हें अभी कम से कम छह साल और काम करना होगा. तभी नीतीश कुमार देश में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले पवन चामलिंग का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे.

सपा का बीएमसी चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान

मुंबई. समाजवादी पार्टी ने महाविकास आघाडी से अलग होकर मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में होने वाले मनपा चुनाव में खुद के बल पर चुनाव लड़ेगी.

समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र ईकाई के अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने कहा है कि धर्मनिरपेक्ष वोटों का बंटवारा रोकने के लिए समाजवादी पार्टी ने पिछले चुनावों में कांग्रेस सहित कुछ राजनीतिक दलों से गठबंधन किया, लेकिन हर बार पार्टी को धोखा ही मिला. इसलिए अब अकेले दम पर मैदान में उत्तरने का निर्णय लिया गया है.

आजमी ने कहा कि मुंबई में पार्टी की प्रभाव वाली लगभग 150 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी चल रही है. समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने बुधवार को दक्षिण मुंबई के इस्लाम जिमखाना में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि समाजवादी पार्टी जिला परिषद और नगर पंचायत चुनावों में भी हिस्सा ले रही है.

विशेष | **दिग्गज नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर**

वणी नपा चुनाव में बढ़ी राजनीतिक गरमाहट

मुंबई. यवतमाल जिले की वणी नगरपालिका चुनाव का माहौल अब पूरी तरह गरमाता हुआ दिखाई दे रहा है. इस बार का राजनीतिक संग्राम पहले की तुलना में अधिक रोचक और प्रतिष्ठापूर्ण बन चुका है. भाजपा, शिंदे सेना और शिवसेना (उबाठा) कांग्रेस महाविकास आघाड़ी के आमने-सामने आने से मुकाबला त्रिकोणी हो गया है.

मतदाताओं में उत्सुकता चरम पर है और वर्तमान तथा पूर्व विधायकों सहित दिग्गज नेताओं की प्रतिष्ठा सीधी दांव पर लगी हुई है. इस बार नगरपालिका अध्यक्ष पद अनुसूचित जनजाति (महिला) वर्ग के लिए आरक्षित है, इसलिए सभी दलों ने अपनी रणनीति बदलते हुए मजबूत महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है. सत्ता परिवर्तन हो या सत्ता बरकरार रखना. तीनों ही दल पूरी ताकत से चुनावी बिगुल बजा चुके हैं.

त्रिकोणी मुकाबले ने बढ़ाई धड़कनें- भाजपा ने पूर्व विधायक संजीवरेड्डी बोदकुरवार के मार्गदर्शन में युवाओं और ऊर्जावान प्रत्याशियों को टिकट दिया है. प्रभागवार चुनावी योजना के साथ घर-घर संपर्क अभियान तेज हो गया है. शहराध्यक्ष एड. निलेश चौधरी के नेतृत्व में बड़ा कार्यकर्ता समूह मतदाताओं तक पहुंचने के लिए सक्रिय है. उधर, शिवसेना (उबाठा) के विधायक संजय देरकर और कांग्रेस के पूर्व विधायक वामनराव कासावार के नेतृत्व में महाविकास आघाड़ी भी पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतर चुकी है. गहन निरीक्षण के आधार पर उपयुक्त उम्मीदवारों को टिकट दिए गए हैं और सत्ता परिवर्तन को लक्ष्य बनाकर रणनीति तैयार की गई है.

कड़ी मेहनत कर रहे सभी दल- वहीं, पूर्व विधायक विश्वास नांदेकर और नेता विजय चोरडिया के नेतृत्व में शिंदे सेना ने भी जोशीला प्रचार अभियान शुरू कर दिया है. कम समय में युवाओं का भारी समर्थन मिलना शिंदे गट के लिए मजबूती का सबब बना है. शहर के 14 प्रभागों में 29 नगरसेवक पद और नगराध्यक्ष पद के लिए सभी दलों ने जातीय और सामाजिक समीकरणों का हिसाब

> **8 उम्मीदवारों ने लिया नामांकन वापस**
>
> शुक्रवार, 21 नवंबर को कुल 8 उम्मीदवारों ने नामांकन वापस लिए . इनमें प्रभाग 4 के 3, प्रभाग 9-बी के 2, प्रभाग 8 के 1, प्रभाग 14 के 1 तथा नगराध्यक्ष पद के एक उम्मीदवार का समावेश है . अब अध्यक्ष पद के लिए 7 उम्मीदवार जबकि नगरसेवक पदों के लिए 150 से अधिक प्रत्याशी मैदान में शेष हैं . 26 नवंबर को चुनाव चिह्न वितरण के बाद आधिकारिक प्रचार अभियान और गति पकड़ लेगा .